पत्र लेखन - औपचारिक पत्र

कालेजों में रैंगिग के नाम पर होने वाले उत्पीड़न को दर्शाने हेतु संपादक को पत्र।

परीक्षा भवन,

परीक्षा केन्द्र।

दिनांक: ....

सेवा में,

संपादक महोदय,

दैनिक हिंदुस्तान,

कस्तूरबा गाँधी मार्ग,

नई दिल्ली।

विषय: रैंगिग के नाम पर कॉलेजों में होने वाले उत्पीड़न के लिए शिकायती-पत्र।

श्रीमान जी,

मेरा नाम रमेश है। मैं आपके समाचार-पत्र में रैंगिग के नाम पर कॉलेजों में बच्चों के साथ होने वाले उत्पीड़न की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। कृपया अपने पत्र में इसे उचित स्थान पर प्रकाशित करके अनुग्रहित करें।

कालेज विद्या का एक मंदिर है। जब बच्चा बारहवीं कक्षा पास करता है तो उसके मन में कॉलेज के लिए कई रंगीन सपने होते हैं। वह पूरे जोश के साथ कॉलेज जाने की तैयारियाँ करता है। परन्तु यहाँ आकर उसके साथ जो होता है, वह उसके लिए भयानक सपने से अधिक नहीं होता। दिल्ली का कोई भी कॉलेज क्यों न हो परन्तु उनमें होने वाली रैंगिग सही नहीं है। यदि यह रैंगिग आपसी मेल-जोल बढ़ाने के लिए हो, तो इसका रूप कुछ और ही होता है। लेकिन आज रैंगिग दूसरों को मज़ा-मस्ती के नाम पर प्रताड़ित करने का माध्यम बन गई है। कॉलेज में इस तरह की गतिविधि बच्चों के मन में विपरीत असर छोड़ती है। हमें चाहिए रैंगिग को समाप्त करने के लिए प्रयाप्त कदम उठाएँ। दिल्ली सरकार को इसके लिए कुछ कानून भी बनाने चाहिए और कॉलेजों में इनक सख्ती से पालन भी करवाना चाहिए।

अत: आपसे निवेदन है कि अपने समाचार पत्र में इसे छाप कर प्रशासन का ध्यान इस तरफ़ दिलाने का प्रयास करें।

धन्यवाद,

भवदीय,

रमेश

इंटरनेट में बढ़ रहे साइबर क्राइम पर चिंता दर्शाने हेतु संपादक को पत्र लिखिए।

डी-413, सरोजनी नगर,

नई दिल्ली।

दिनांक : ....

सेवा में,

मुख्य सम्पादक,

हिन्दुस्तान टाइम्स,

बहादुरशाह जफ़र मार्ग,

नई दिल्ली।

विषय: इंटरनेट पर बढ़ रहे साइबर क्राइम पर चिंता दर्शाने हेतु पत्र।

महोदय,

मैं भारत का निवासी हूँ। मैं आपका ध्यान इंटरनेट पर लगातार बढ़ रहे साइबर क्राइम की ओर दिलवाना चाहता हूँ। आज इंटरनेट का युग है। इंटरनेट आज के युग की महत्वपूर्ण आवश्यकता बनकर सामने आया है। इसके कारण ही आज दुनिया छोटे से कंप्यूटर में सिमटकर रह गई है। युवाओं में भी इसको लेकर खासा जोश देखा जा सकता है।

इंटरनेट जहाँ एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है, वहीं आज यह सबसे बड़ी सरदर्दी भी बना हुआ है। इसके माध्यम से अपराध की एक नई किस्म उभर कर आई है, जिसे साइबर क्राइम के नाम से जाना जाता है।

इंटरनेट पर होने वाले अपराधों में किसी साइट को हाईक करना, किसी बैंक की साइट में प्रवेश कर उस लूट लेना, किसी देश की सुरक्षा-प्रणाली में घुसकर गड़बड़ी कर देना जैसे मामले प्रकाश में आ रहे हैं। इन्हें आसानी से पकड़ा भी नहीं जा सकता है।

इन अपराधों से देश की सुरक्षा प्रणाली के लिए खतरा बढ़ जाता है। इसके साथ लोगों के लिए अब इंटरनेट का प्रयोग भी सुरक्षित नहीं रहा है। इन अपराधों में जो मास्टर माइंड हैं, वे आज के युवावर्ग हैं। वे अपनी योग्यता का प्रयोग गलत दिशा में कर रहे हैं। यदि इसी तरह चलता रहा तो ये युवा पथ भ्रष्ट हो जाएंगे। सरकार को चाहिए कि इस दिशा में महत्वपूर्ण कानून जितनी जल्दी हो सकें बनाएं और इन अपराधों को बढ़ने से रोकें। इन अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए स्वयं को भी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त करें।

अत: आपसे निवेदन है कि आप इस समस्या की ओर प्रशासन का ध्यान दिलवाएँ व इस समस्या से हमारे देश को मुक्त करावएँ।

धन्यवाद,

भवदीय,

निशांत कुमार

झुग्गी-झोपड़ियों में आवश्यक ज़रूरतों की व्यवस्था करने हेतु संपादक को पत्र लिखिए।

पता : ....

दिनांक : ....

सेवा में,

संपादक महोदय,

हिन्दुस्तान टाइम्स,

बहादुरशाह ज़फ़र मार्ग,

दिल्ली।

विषय: झुग्गी-झोपड़ियों में आवश्यक ज़रूरतों की व्यवस्था हेतु पत्र।

महोदय,

मैं आर.के.पुरम क्षेत्र का निवासी हूँ। मैं आपका ध्यान हमारे क्षेत्र में स्थित झुग्गी-झोपड़ियों की खराब हालत की ओर दिलवाना चाहता हूँ। पानी, बिजली, शौचालय इत्यादि सुविधाएँ यहाँ उपलब्ध नहीं हैं। यहाँ गन्दे पानी की निकासी नहीं हो रही है, जिसके कारण गंदा पानी यहाँ-वहाँ जमा हो रहा है। सड़कों की खस्ता हालत की वजह से जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं, जिनमें बरसात के दिनों में गन्दा पानी इकट्ठा हो जाता है। ऐसे स्थान पर मच्छर पनपने लगते हैं। इस तरह मलेरिया, डेंगू आदि बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

पीने का पानी न होने के कारण यहाँ के लोगों को गंदा पानी पीने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। इसके कारण बीमारी इत्यादि भी फैलने का डर सदैव बना रहता है। बिजली की सुविधा न होने से यहाँ के लोगों को बड़ी कठिनाई होती है। लोगों के लिए शौचालय न होने से इनमें रहने वाले परिवारों ने सड़कों को शौच आदि से गंदा कर दिया है। आम आदमी का उस मार्ग से निकलना कठिन हो गया है।

सरकार से अनुरोध है कि इन समस्याओं की तरफ़ ध्यान देकर इन्हें सुलझाने का प्रयास करें। सरकार से यह भी अनुरोध है कि झुग्गी-झोपड़ी वालों के लिए हर सुविधा से युक्त छोटे-छोटे मकान की एक कॉलोनी बनवाई जाए ताकि यह लोग यहाँ सुख-शान्ति से अपना जीवन निर्वाह कर सकें।

धन्यवाद,

भवदीय,

दिनेश कुमार,

बोर्ड परीक्षा प्रणाली में हुए सुधार की सराहना करते हुए संपादक को पत्र लिखिए।

4/73, आर.के. पूरम.,

नई दिल्ली।

दिनांक : ....

सेवा में,

संपादक महोदय,

नवभारत टाइम्स,

नई दिल्ली,

विषय: बोर्ड परीक्षा प्रणाली में हुए सुधार के लिए सरकार के कदम की सराहना करने हेतु पत्र।

महोदय,

मेरा नाम विनायक श्रीवास्तव है। मैं आपके समाचार-पत्र के माध्यम से बोर्ड परीक्षा की प्रणाली में हुए सुधार के लिए सरकार का धन्यवाद करना चाहता हूँ।

काफी समय पहले बोर्ड की परीक्षा सुनते ही बच्चों के माथे में भय व चिंता की लकीरें खींच जाती थी। दसवीं या बारहवीं की परीक्षा की तैयारी बहुत पहले से आरंभ हो जाती थी। माता-पिता बच्चों को ट्यूशन पढ़वाना आरंभ कर देते थे। बच्चों पर इस परीक्षा को पास करने का दबाव आरंभ से बना रहता था। उनके मन में

तनाव इतना बढ़ जाता था कि वह आत्महत्या जैसे कदम उठा लेते थे। इस तनाव के कारण कितने मासूमों को अपनी जान देने के लिए मजबूर होना पड़ा है। परीक्षा में दिए गए प्रश्न-पत्र को हल करना दाँतों से लोहे के चने चबाने के समान था। बच्चों के अंदर बढ़ रहे इस तनाव को देखते हुए सरकार ने जो कदम उठाए हैं, वह बहुत सराहनीय हैं।

जबसे बोर्ड के भय को समाप्त किया गया है। बच्चों के मुख में प्रसन्नता की लहर दिखाई देने लगी हैं। बच्चों की इस मुस्कान के लिए में सरकार का धन्यवाद करना चाहता हूँ। शिक्षा का अर्थ होता है- बच्चों को ज्ञान देकर शिक्षित करना, उनके विकास के लिए कार्य करना। परन्तु जो शिक्षा उनके मन में तनाव उत्पन्न कर दे, वह शिक्षा कहलाने योग्य नहीं है। सरकार ने इसी बात को ध्यान में रखकर जो सुधार किए हैं। उनके लिए में एक बार फिर धन्यवाद कहना चाहता हूँ।

धन्यवाद सहित,

भवदीय,

विनायक श्रीवास्तव

रेल आरक्षण व्यवस्था में हुए सुधार की प्रशंसा करने हेतु संपादक को पत्र लिखिए।

123/12, दिलशाद गार्डन,

दिनांक: ....

सेवा में,

सम्पादक महोदय,

नवभारत टाइम्स,

नई दिल्ली,

विषय: रेल आरक्षण व्यवस्था में हुए सुधार की प्रशंसा के लिए पत्र।

महोदय,

मेरा नाम संतोष पाठक है। मैं आपके समाचार पत्र के माध्यम से रेल आरक्षण व्यवस्था में हुए सुधार की प्रंशसा करते हुए रेल मंत्रालय को आभार प्रकट करना चाहता हूँ। कुछ समय पूर्व तक टिकट का आरक्षण कराना आँख से सुई उठाने के समान था। रेल मंत्रालय द्वारा टिकट-आरक्षण के लिए ऑन-लाइन सुविधा आरम्भ करना सराहनीय कार्य है। अब लोगों को वहाँ की अव्यवस्था के कारण अपना समय बर्बाद करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। लम्बी और भीड़ वाली कतार में खड़े होकर परेशानियों को भी सहना नहीं

पड़ेगा। इससे समय की बचत भी होगी। हम सरलतापूर्वक अपनी मनोवांछित रेल टिकट का आरक्षण भी करवा सकेंगे।

कुछ समय पूर्व जब में स्वयं रेल-टिकट के आरक्षण हेतु गया था, तो मुझे बहुत परेशनियों का सामना करना पड़ा था। परन्तु इस बार ऑन-लाइन द्वारा मुझे रेल-टिकट का आरक्षण घर बैठे ही मिल गया। इस तरह मेरा कीमती समय तो बचा ही, साथ में उस भीड़-भाड़ और लम्बी कतार से भी छुटकारा मिल गया है।

मैं उनके इस कार्य के लिए उन्हें शुभकामनाएँ व धन्यवाद देना चाहता हूँ। आशा करता हूँ कि आप मेरी बात उन तक अवश्य पहुँचाएगें।

धन्यवाद सहित,

भवदीय,

संतोष पाठक

यातायात पुलिस के ढीले-ढाले रवैये पर चिंता व्यक्त करते हुए संपादक को पत्र लिखिए।

डी-413, सेवा नगर,

नई दिल्ली।

दिनांक: ....

सेवा में,

संपादक,

नवभारत टाइम्स,

बहादुरशाह जफ़र मार्ग,

आई.टी.ओ.,

नई दिल्ली।

विषय: यातायात पुलिस के ढीले-ढाले रवैये पर चिंता व्यक्त करने हेतु पत्र।

महोदय,

मेरा नाम दीक्षा है। मैं सेवा नगर की निवासी हूँ। आपको पत्र लिखने का मेरा उद्देश्य इस प्रकार है कि मैं आई.टी.ओ स्थित अपने कार्यालय से सेवा नगर तक के लिए 623 रुट नम्बर बस लेती हूँ। मैंने सदैव इस बात को देखा है कि कई बस व गाड़ी चालक सड़क-परिवहन के नियमों को अनदेखा करते हैं। जिससे कई बार जाम व दुर्घटना की स्थिति बन जाती है। यदि किसी यातायात पुलिसवाले से इस विषय में शिकायत की जाए या किसी को नियम तोड़ते ये देख लें तो मामूली-सा चालान काटकर उन्हें छोड़ देते हैं। इस कारण ऐसे लोगों का साहस और बढ़ भी जाता है। ये किसी की भी परवाह नहीं करते। इनके कारण यह लोग यातायात नियमों को ताक पर रखकर गाड़ी चलाते हैं, जिसका भुगतान पैदल चलने वाले आदमियों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ता है।

मैं आपसे निवेदन करती हूँ कि आप ऐसे यातायात पुलिसवालों के विरुद्ध अपने समाचार-पत्र में लिखें, जिससे वह अपने कर्त्तव्यों के प्रति सजग हो सकें। मैं सदा आपकी आभारी रहूँगी। यदि आप ऐसा करते हैं तो यह समाज के हित के लिए बहुत कल्याणकारी होगा इसलिए इस विषय में ध्यान देने की कृपा करें।

धन्यवाद,

भवदीय,

दीक्षा

बस कडंक्टर के बुरे व्यवहार के लिए परिवहन विभाग को शिकायती पत्र।

ए-1, मोती बाग,

नई दिल्ली।

दिनांक: ....

सेवा में,

मुख्य प्रबंधक,

दिल्ली परिवहन निगम,

नई दिल्ली।

विषय: बस कडंक्टर के बुरे व्यवहार के लिए शिकायती पत्र।

महोदय/ महोदया,

मेरा नाम हेमंत है। मैं मोती बाग का निवासी हूँ। मैं कल 511 रुट नं. बस से नेहरु प्लेस जा रहा था। हमारी बस का कंडक्टर टिकट देते हुए लगातार मोबाइल पर अपने मित्र से बातें कर रहा था। इस कारण यात्रियों को टिकट देने में वह बहुत समय लगा रहा था। वहाँ खड़े यात्रियों को बहुत असुविधा हो रही थी। उसके स्थान के पास भीड़ बढ़ती जा रही थी। परन्तु इस बात की उसे कोई चिंता नहीं थी। वृद्धजनों और स्त्रियों को वहाँ खड़े होने में असुविधा हो रही थी।

वह बस में सभी के साथ चिल्लाकर बोल रहा था। हमारे द्वारा उसका विरोध किए जाने पर वह हमारे साथ ही अभद्रपूर्ण व्यवहार करने लगा। वह न तो वृद्धजनों के लिए बस रुकवाता और न ही सही गंतव्य किसी को बताता। उसे बस फोन पर अपने मित्र के साथ बातें करने में आनंद आ रहा था। उसकी बातचीत में यदि कोई कुछ पूछ बैठता, तो वह उसके साथ लड़ने पर उतारू हो जाता।

बस कंडक्टर के इस व्यवहार से हम सभी यात्री बड़े अप्रसन्न हुए। उस बस कंडक्टर का नाम गिल्लू था। उसके द्वारा किए गए इस अप्रशंसनीय कार्य व व्यवहार से सबको बड़ी परेशानी हुई।

मेरा आपसे अनुरोध है कि आप दिल्ली परिवहन निगम की तरफ़ से उसे दण्डित करें। आपके इस उठाए गए कदम से अन्य बस कंडक्टरों के लिए मिसाल कायम होगी। वे सभी अपने कर्त्तव्यों का पालन कुशलतापूर्वक करेंगे।

भवदीय,

हेमंत

स्वास्थ्य अधिकारी को जल-भराव से उत्पन्न समस्या के समाधान हेतु पत्र लिखिए।

520, गोपाल नगर,

पूना।

दिनांक: ....

सेवा में,

स्वास्थ्य अधिकारी,

स्वास्थ्य विभाग,

पूना नगर निगम,

पूना।

विषय: जल-भराव से उत्पन्न समस्या के समाधान हेतु पत्र।

महोदय,

मैं गोपाल नगर का निवासी हूँ। मैं प्रशासन का ध्यान हमारे क्षेत्र में जल-भराव से उत्पन्न समस्या की ओर करवाना चाहता हूँ। हमारे क्षेत्र में वर्षा के दिनों में स्थान-स्थान पर पानी भर जाता है। नालियों की निकासी न होने के कारण भी पानी वहाँ पर जमा रहता है। पानी के जमाव के कारण मच्छरों का प्रकोप हमारे क्षेत्र में लगातार बढ़ रहा है।

दिन हो या रात, पूरे गणेश नगर में आजकल मच्छरों के झुंड घूमते दिखाई देते हैं। बच्चों के मुँह लाल दानों से भरे नज़र आते हैं। घर-घर मलेरिया फैलने लगा है। डेंगू के तीन-चार मामले भी प्रकाश में आए हैं। इसका कारण पानी के बने हुए तालाब और गली-मोहल्लों में चौड़ी-चौड़ी नंगी नालियाँ हैं। बरसात में पानी के निकास की व्यवस्था बिलकुल खराब है।

हम इस बारे में कई बार शिकायत कर चुके हैं। लेकिन इस ओर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया है।

आपसे निवेदन है कि पानी की निकासी के इंतजाम की व्यवस्था की जाए, नालियों में मच्छरों को मारने की दवाई नियमित रूप से डलवायी जाए, मलेरिया का इलाज एवं सफाई की ओर विशेष ध्यान दिया जाए। अत: शीघ्रता से इस तरफ ध्यान देने की कृपा करें।

धन्यवाद सहित,

भवदीय,

शीलभद्र झॉ

डाकखाने की सुविधा हेतु मुख्य डाक अधिकारी को पत्र लिखिए।

130, सैक्टर-20,

पाकेट 'बी', रोहिणी दिल्ली।

दिनांक: ....

सेवा में,

मुख्य डाक अधिकारी,

डाकघर, रोहिणी,

दिल्ली

विषय: नया डाकघर खोलने के लिये डाक-विभाग को निवेदन।

महोदय,

निवेदन है कि मैं रोहिणी क्षेत्र का निवासी हूँ। मैं आपका ध्यान हमारे क्षेत्र में डाकघर के नहीं होने से उत्पन्न समस्या की ओर करवाना चाहता हूँ। हमारे क्षेत्र सैक्टर-20 में आबादी बहुत अच्छी है। परन्तु कोई डाकघर सेवा यहाँ पर उपलब्ध नहीं है। हमारे क्षेत्र का नज़दीकी डाकघर यहाँ से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर है। हमें यदि स्पीड-पोस्ट, मनीआर्डर, तार आदि करवाना होता है, तो दस किलोमीटर दूर स्थिति डाकघर तक जाना पड़ता है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए यहाँ के निवासियों को काफी कष्ट एवं समय बर्बाद करना पड़ता है।

मेरा डाक विभाग से निवेदन है कि इस इलाके में डाकघर शीघ्र से शीघ्र खुलवाकर डाक सुविधाएँ उपलब्ध करवाएँ ताकि यहाँ के निवासियों को अपने डाक से संबंधित कार्यों के लिए अधिक दूर नहीं जाना पड़े।

आशा करता हूँ कि आप हमारी इस समस्या को ध्यान में रखते हुए हमारी सहायता करेगें। आपकी अति कृपा होगी। आपके इस सहयोग के लिए हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

भवदीय,

विशाल जैन,

खाद्य पदार्थों में बढ़ती हुई मिलावट की समस्या दर्शाने हेतु खाद्य मंत्री को पत्र लिखिए।

4195, चाँदनी चौक

नई दिल्ली।

दिनांक: ....

सेवा में,

खाद्य मंत्री,

खाद्य विभाग,

नई दिल्ली।

विषय: खाद्य पदार्थों में बढ़ती मिलावट हेतु पत्र।

मान्यवर,

मेरा नाम नईंम खान है। मैं चाँदनी चौक का निवासी हूँ। इस पत्र के द्वारा मैं आपका ध्यान हर खाद्य पदार्थ में हो रही मिलावट की तरफ आकर्षित करवाना चाहता हूँ। श्रीमान जी दिनभर खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामले जोर पकड़ने लग गए हैं। पहले तो कुछ ही वस्तुओं में मिलावट देखने को मिलती थी परन्तु अब तो रोज़मर्रा की हर छोटी-बड़ी चीज़ों में मिलावट होने लगी हैं। इन मिलावट करने वालों ने जीवनदायनी दवाइयों तक को नहीं छोड़ा है।

बढ़ती मिलावट के कारण लोगों को पेट सम्बन्धी बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे उनके स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव भी पड़ रहा है जो सही नहीं है। पेट में कैंसर के मामले बढ़ने लगे हैं। मरीजों को दवाइयों के नाम पर नकली दवाइयाँ देकर, उनके जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। खाद्य विभाग द्वारा इस समस्या से बिलकुल मुँह मोड़ लेना मिलावट करने वालों का साहस बढ़ाना है। ये लोग चन्द रुपयों के लालच में लोगों के जीवन से खेलने से बाज़ नहीं आते।

मेरा आपसे सविनय निवेदन है कि आप इस दिशा में कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य करें, जिससे इस समस्या से छुटकारा पाया जा सके। ये पूरा शहर आपका आभारी रहेगा।

धन्यवाद,

भवदीय,

नईम खान

कॉलोनी की समिति के वार्षिक उत्सव पर पुलिस अधीक्षक को मुख्य अतिथि बनाने हेतु निमत्रंण पत्र लिखिए।

सादिक नगर,

नई दिल्ली।

दिनांक: ....

सेवा में,

पुलिस अधीक्षक महोदय,

आर.के.पुरम,

नई दिल्ली-110011

विषय: मुख्य अतिथि के रूप में पधारने के लिए निमत्रंण पत्र।

श्रीमान/श्रीमती,

मैं सादिक नगर का निवासी और हितकारी समिति का सचिव हूँ। हमारी कॉलोनी ए, बी और सी, सादिक नगर में हितकारी समिति का वार्षिक उत्सव दिनांक .... को प्रात: 11:00 बजे मनाया जा रहा है। हमारी समिति आपको अपने वार्षिक उत्सव में मुख्य अतिथि बनाना चाहती है।

हमारी समिति द्वारा सफलतापूर्वक एक वर्ष पूरा कर लिया गया है। इस एक वर्ष में हमारी समिति ने अपने क्षेत्र के विकास के लिए और अपने उद्देश्य को निभाते हुए समाज कल्याण के लिए महत्त्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्हीं कार्यों के द्वारा प्राप्त उपलब्धियों ने हमें वार्षिक उत्सव मनाने के लिए प्रेरित किया है। हमारी समिति के सदस्य सरकारी व गैर-सरकारी नौकरीपेशा लोग हैं। जिन्होंने समय निकालकर समाज व क्षेत्र के लिए कार्य किया है। यदि आपके द्वारा इस कार्यक्रम में आतिथ्य स्वीकार किया जाएगा तो हमें बहुत प्रोत्साहन मिलेगा।

आपके इस प्रोत्साहन के हम सदा आभारी रहेंगे। अत: आप इस अवसर पर पधार कर समारोह की शोभा बढ़ाने की कृपा करें। अपना आशीर्वाद देकर हमारा हौसला बढ़ाएँ। हमें आपके उत्तर का इन्तजार रहेगा।

धन्यवाद,

सचिव,

हितकारी समिति,

सड़कों को और अधिक चौड़ा किए जाने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखिए।

ए. 1/174, गाँधी नगर,

नई दिल्ली।

तिथि: ....

सेवा में,

मुख्यमंत्री जी,

दिल्ली सचिवालय,

आई.पी.स्टेट,

नई दिल्ली।

विषय: गाँधी नगर में सड़कों को और अधिक चौड़ा किए जाने हेतु पत्र।

महोदय/महोदया,

मैं गाँधी नगर का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र की मुख्य समस्या यह है कि हमारे यहाँ सड़कों की चौड़ाई बहुत कम है। इन सड़कों में जगह-जगह फुटकर दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है, जिसके कारण यातायात मार्ग सदैव बाधित रहता है। इन सबसे सड़क और हमारे क्षेत्र में भीड़-भाड़ बढ़ती जा रही है। जो एक जटिल समस्या का रूप ले रही है।

परिवहन के आवागमन के लिए पर्याप्त स्थान न होने से सदैव जाम की स्थिति बनी रहती है। रास्ता इतना छोटा हो गया है कि एक समय में एक ही गाड़ी निकल पाती है। आए दिन इस कारण लड़ाई- झगड़े होते रहते हैं। आने-जाने में लोगों को भी असुविधा होती है। आपातकालीन स्थिति में उचित समय पर सहायता नहीं मिल पाती है, जिससे दुर्घटना भंयकर रूप ले लेती हैं। हमने इस विषय में प्रशासन का ध्यान दिलाने का प्रयास किया। परन्तु कोई परिणाम सामने नहीं आया।

आपसे निवेदन है कि आप परिवहन की इस जटिल समस्या के हल हेतु उचित कार्य करें, जिससे इस समस्या से शीघ्र ही निज़ात पाया जा सके। हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

भवदीय,

वैभव सिंह

पूजाघरों में लाउडस्पीकर से उत्पन्न परेशानियों का उल्लेख करते हुए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए।

मोती बाग,

नई दिल्ली।

तिथि: ....

सेवा में,

थानाध्यक्ष,

मोती बाग,

नई दिल्ली-110021

विषय: लाउडस्पीकर के मनमाने प्रयोग के कारण उत्पन्न समस्या को दर्शाने हेतु पत्र।

महोदय/महोदया,

मैं मोती बाग के ब्लाक-ए, मकान नंबर-100 में रहता हूँ। हमारे घर के समीप एक बहुत बड़ा शिव मंदिर है। वहाँ सदैव किसी न किसी जागरण या कीर्तन का आयोजन होता रहता है। नवरात्रों के कारण आजकल पूरी-पूरी रात जागरण का आयोजन हो रहा है, जिसके लिए जगह-जगह लाउडस्पीकर लगाए गए हैं। इन लाउडस्पीकरों की ध्वनि को इतना ऊँचा कर दिया जाता है कि सोना कठिन हो जाता है।

इन लाउडस्पीकरों के कारण पूरे मोती बाग में अशांति का वातावरण बना हुआ है। हमने व अन्य कई घरों ने मंदिर के प्रबंधक से कई बार निवेदन किया है कि रात के समय लाउडस्पीकरों का प्रयोग न करें। इनका प्रयोग यदि फिर भी करना पड़े तो लाउडस्पीकर की ध्वनि धीमी करें, जिससे बच्चों व वृद्धों को परेशानियों का सामना न करना पड़े। परन्तु इन्होंने हमारी बातों पर विशेष ध्यान नहीं दिया है।

आपसे सविनय निवेदन है कि आप उचित कार्यवाही करें तथा इस समस्या का समाधान निकालें। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

भवदीय,

रामशरण

रेलवे के महाप्रबंधक को टिकट-निरीक्षक के अभद्र व्यवहार की शिकायत करने हेतु पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,

परीक्षा केन्द्र।

तिथि: ....

सेवा में,

महाप्रबंधक,

उत्तर रेलवे,

चंडीगढ़।

विषय: टिकट-निरीक्षक के अभद्र व्यवहार की शिकायत हेतु पत्र।

महोदय,

मेरा नाम कुलदीप सिंह है। मैं चंडीगढ़ सैक्टर-21 का स्थानीय निवासी हूँ। मैं दिल्ली स्थित अपने सगे-सम्बन्धियों से मिलने कई बार आता-जाता रहता हूँ। इस बार दशहरे की छुट्टियों में अपने परिवार सहित दिल्ली स्थित अपनी बहन से मिलकर दिनांक .... को शताब्दी एक्सप्रेस से चंडीगढ़ वापस आ रहा था। मेरे साथ मेरा परिवार भी था।

मेरे द्वारा अपने और अपने परिवार के सदस्यों के लिए पहले से ही सीटें आरक्षित की गई थीं। रेल को चले हुए अभी एक घंटा भी नहीं बिता था कि टिकट-निरीक्षक अपने साथ एक व्यक्ति को ले आया। उसने बिना मेरी अनुमति के उस यात्री को हमारे साथ सीट में बैठने को कहा। मेरे द्वारा विरोध किए जाने पर टिकट-निरीक्षक ने मुझे अपशब्द कहे। उसके पश्चात् उसने मुझे और मेरे परिवार को परेशान करना आरंभ कर दिया और मेरे साथ अभद्र व्यवहार किया। उसने शराब भी पी हुई थी। उसका नाम राजीव शर्मा था।

आपसे मेरा निवेदन यह है कि आप उस टिकट-निरीक्षक के विरुद्ध उचित कार्यवाही करें, जिससे वह दुबारा अन्य किसी के साथ इस प्रकार का अभद्र व्यवहार न करे।

धन्यवाद,

प्रार्थी,

कुलदीप सिंह

मुहल्ले के पार्क की देखभाल करने हेतु नवयुवक मंडल द्वारा उद्यान विभाग के निदेशक को पत्र लिखिए।

मोती नगर, ए-ब्लॉक,

नई दिल्ली-110021

दिनांक: ....

सेवा में,

निदेशक,

उद्यान विभाग,

मोती नगर,

नई दिल्ली।

विषय: अपने मुहल्ले के पार्क की देखभाल स्वयं करने हेतु प्रार्थना पत्र।

महोदय/महोदया,

मैं मोती नगर का निवासी हूँ। हमारे ए-ब्लॉक में एक पार्क है। इस पार्क के सही रख-रखाव न होने के कारण यह पार्क जर्जर स्थिति में है। उसकी सारी घास सूख गई है। बच्चों के झूले खराब अवस्था में हैं। आवारा पशु अब झुंड के साथ यहाँ बैठे रहते हैं। बच्चों के खेलने के लिए अन्य स्थान न होने के कारण उन्हें मजबूरी में सड़कों पर जाकर खेलना पड़ता है। हमारे ब्लॉक में हमारे द्वारा एक नवयुवक मंडल बनाया गया है। इस मंडल का यही कार्य है कि वह अपने क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करें।

इस नवयुवक मंडल का मैं भी एक ज़िम्मेदार सदस्य हूँ। इस पार्क की जर्जर स्थिति को देखते हुए। इसके रख-रखाव की ज़िम्मेदारी हमारा नवयुवक मंडल लेना चाहता है। हम अपनी ज़िम्मेदारी को निभाते हुए, इस पार्क को नए सिरे से बनाने का प्रयास करेगें ताकि हमारे क्षेत्र के बच्चे इस पार्क में खेल सकें।

आपसे सविनय निवेदन यह है कि इस पार्क के रख-रखाव की ज़िम्मेदारी हमें देने की कृपा करें। हम सब आपके सदा आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

प्रार्थी,

आनन्द कुमार

नवयुवक मंडल

बस-चालक के प्रशंसनीय व्यवहार की प्रशंसा करने हेतु परिवहन निगम के मुख्य प्रबंधक को पत्र लिखिए।

1010, चाणक्यपुरी,

नई दिल्ली।

दिनांक: ....

सेवा में,

मुख्य प्रबंधक,

दिल्ली परिवहन निगम,

नई दिल्ली।

विषय: बस-चालक के प्रशंसनीय व्यवहार के लिए प्रशंसा पत्र।

महोदय/महोदया,

मेरा नाम अमृता है। मैं चाणक्यपुरी की निवासी हूँ। मैं कल बस नंबर 610 से सरोजनी नगर बस डिपो जा रही थी। बस चालक पूरी निपुणता से बस को चला रहा था परन्तु अचानक रास्ते में एक छोटा बच्चा सड़क के बीचों-बीच आ खड़ा हुआ। बस चालक जिसका नाम सोमेश था। उसने स्थिति को समझते हुए ब्रेक मारे और सही समय पर बस रोक दी। उसने बड़ी ही सूझबूझ व सावधानी से एक बड़ी दुर्घटना को घटने से बचा लिया।

बच्चा अपने साथ हुई इस अकस्मात् घटना से घबरा गया था। बस चालक ने उस बच्चे को उठाया व बड़े ही प्यार से उस रोते बच्चे को चुप कराकर, उसके माता-पिता को सौंप दिया। बस चालक के इस व्यवहार से हम सभी यात्री बड़े प्रसन्न हुए। उसके द्वारा किए गए इस प्रशंसनीय कार्य व व्यवहार से प्रभावित हुए बिना नहीं रहा गया।

मेरा आपसे अनुरोध है कि आप दिल्ली परिवहन निगम की तरफ़ से उसे पुरस्कृत करें। आपके इस कदम द्वारा अन्य बस चालकों के लिए मिसाल कायम होगी व सभी अपने कर्त्तव्यों का पालन कुशलतापूर्वक करेंगे।

धन्यवाद

भवदीय

अमृता

अपने क्षेत्र में फैली गंदगी की ओर ध्यान आकर्षित करवाने हेतु के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

ए-बी-2, कालीबाड़ी,

नई दिल्ली।

दिनांक: ....

सेवा में,

स्वास्थ्य अधिकारी,

दिल्ली नगर निगम,

सिविल लाइन्स,

दिल्ली।

विषय: क्षेत्र मेंसफाई व्यवस्था की अनदेखी हेतु पत्र।

महोदय/महोदया,

मैं कालीबाड़ी क्षेत्र का निवासी हूँ। हमारे इलाके की सफाई व्यवस्था से तंग आकर मैं आपको यह पत्र लिख रहा हूँ। पिछले कुछ दिनों से नगर-निगम के कर्मचारियों द्वारा हमारे इलाके की सफाई व्यवस्था की अनदेखी के कारण चारों तरफ गंदगी फैली हुई है।

जगह-जगह कूड़े के ढेर देखें जा सकते हैं। आवारा पशुओं के ये चारागाह बन गए हैं। सफाई कर्मचारियों द्वारा पिछले कुछ दिनों से कूड़ा नहीं उठाने के कारण चारों ओर दुर्गन्ध फैली हुई है। कूड़ा सड़कों में फैलने लगा है। जिसे लोगों को आने-जाने में असुविधा होने लगी है। नालियों की निकासी नहीं होने के कारण वे बंद पड़ गई हैं। इन नालियों में ठहरे हुए पानी में मच्छर-मक्खियों का जमावड़ा देखा जा सकता है। इन दोनों कारणों से हमारे क्षेत्र में मक्खियों व मच्छरों का प्रकोप बना हुआ है। यदि ऐसा ही हाल रहा, तो इस क्षेत्र में बीमारियों के फैलाव को रोकना कठिन हो जाएगा।

आपसे सविनय निवेदन है कि आप इस ओर विशेष ध्यान दें और इस समस्या का समाधान शीघ्र ही निकालें। हम सब आपके सदा आभारी रहेंगे।

धन्यवाद,

भवदीय,

शशांक सिंह

नगर में अनधिकृत मकानों की रोकथाम करने हेतु जिलाधिकारी को पत्र लिखिए।

191, रघुबीर नगर,

नई दिल्ली-110027

दिनांक: ....

सेवा में,

जिलाधिकारी,

उत्तर पश्चिमी जिला,

नई दिल्ली।

विषय: नगर में बन रहे अनधिकृत मकान रोकने के लिए पत्र।

मान्यवर,

इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान रघुबीर नगर क्षेत्र के सेंट्रल पार्क में किए जा रहे अनधिकृत निर्माण की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूँ। रघुबीर नगर क्षेत्र में इन दिनों अनधिकृत निर्माण का कार्य जोरों पर है। नगर निगम द्वारा बनाए गए पार्कों में कुछ लोगों ने अपना सामान जमा कर लिया है। वह धीरे-धीरे अपना कब्जा बढ़ा रहे हैं तथा उनकी देखा-देखी कुछ डेरी वालों ने भी अपनी भैसें यहाँ बाँधनी प्रारंभ कर दी है। यही नहीं कुछ लोगों ने तो यहाँ बैठक चालू कर दी है। वे यहाँ पर सारा-सारा दिन जुआ खेलते रहते हैं। कई व्यक्तियों ने तो यहाँ पर छोटी-छोटी दुकानें लगानी आरंभ कर दी है। बच्चों के खेलने के स्थान पर कब्जा हो जाने से उनके खेलने के लिए अब स्थान ही नहीं रहे हैं। केवल यही पार्क ऐसा था, जहाँ हम लोग सुबह-शाम घूमते थे। परन्तु वह भी नहीं रहा है। हमने बहुत प्रयास किए कि उन्हें इस स्थान पर कब्जा करने से रोक सकें। परन्तु यह संभव नहीं हो पाया।

आपसे सविनय निवेदन है कि आप इस ओर विशेष ध्यान दें। इस अनधिकृत निर्माण को रोककर एवं हटाकर क्षेत्र की जनता पर उपकार करें। हमारा क्षेत्र सदैव आपका आभारी रहेगा।

धन्यवाद

भवदीय

कुश

विद्यालय के प्रधानाचार्य को चरित्र प्रमाण-पत्र माँगने के लिए पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,

परीक्षा केन्द्र।

दिनांक: ....

सेवा में,

प्रधानाचार्य जी,

केंद्रीय विद्यालय,

महारानी बाग,

नई दिल्ली

विषय: चरित्र प्रमाण-पत्र हेतु पत्र ।

महोदय,

मैं आपके विद्यालय में दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। मेरा नाम राम है। आपसे सविनय-निवेदन यह है कि मेरे पिताजी का स्थानांतरण दिल्ली से पूना में हो गया है। मेरे पिताजी को पूना में कंपनी द्वारा रहने के लिए घर दिया गया है। मेरे पिताजी को कंपनी द्वारा वहाँ स्थाई रूप से कार्य करने के लिए भेजा गया है। इसलिए हम सपरिवार पूना रहने के लिए जा रहे हैं।

अत: पिताजी ने मेरी पढ़ाई की व्यवस्था पूना के एक विद्यालय में करवाने का निर्णय किया है। अगले महीने से हमारा पूरा परिवार पूना चला जाएगा। विद्यालय में दाखिला लेने के लिए इस प्रमाण पत्र के अलावा मेरे पास सभी आवश्यक प्रमाण पत्र थे। चरित्र-प्रमाण मुझे विद्यालय की तरफ से नहीं दिया गया था। पूने के विद्यालय ने मुझसे चरित्र-प्रमाण की मांग की है। चरित्र-प्रमाण के बिना मेरा उस विद्यालय में दाखिला नहीं हो पा रहा है।

अत: आपसे विनम्र अनुरोध है कि मेरा चरित्र-प्रमाण शीघ्र-अति-शीघ्र बनवाकर दे दिया जाए, जिससे मेरा दाखिला पूना के विद्यालय में बिना किसी कठिनाई के हो सके। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद,

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

राम

कक्षा: दसवीं 'ए'

अपने प्रधानाचार्य को विद्यालय की खराब सफाई व्यवस्था दर्शाने हेतु पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,

परीक्षा केन्द्र।

दिनांक.........

सेवा में,

श्रीमान/श्रीमती प्रधानाचार्य,

प्रधानाचार्य महोदय,

केन्द्रीय विद्यालय,

रायपुर (म. प्र.)

विषय: विद्यालय की खराब सफाई व्यवस्था दर्शाने हेतु पत्र।

महोदय/महोदया,

सविनय निवेदन यह है कि मेरा नाम अनवर है और मैं दसवीं 'बी' का छात्र हूँ। हमारे विद्यालय में सफाई व्यवस्था बहुत ही खराब है, जिसके कारण हमें कई प्रकार की समस्याओं से गुजरना पड़ता है।

सफाई अव्यवस्था के कारण हमारे विद्यालय की सुंदरता भी नष्ट हो रही है। अन्य लोगों पर इसका विपरीत प्रभाव भी पड़ता है। मान्यवर, हमारी इमारत में नियमित रूप से सफाई नहीं की जाती है। कक्षा में कचरा यहाँ-वहाँ बिखरा रहता है। प्रत्येक कमरे में स्थित कूड़ेदान से समय-समय पर कचरा भी नहीं उठाया जाता है। जिसके कारण छात्र-छात्राओं को बड़ी असुविधा होती है।

पानी की टंकी के आस-पास पानी जमा रहता है। उसमें मच्छर पनप रहे हैं। पार्क में यहाँ-वहाँ कूड़ा पड़ा रहता है। विद्यालय के मैदान में सफाई कर्मचारियों द्वारा कचरे का ढेर लगाया गया है। इस कचरे की दुर्गंध विद्यालय के अंदर तक आती है, जिससे कक्षा में बैठना कठिन हो जाता है। परन्तु इस समस्या को विद्यालय द्वारा गंभीरता से नहीं लिया गया है। हमने इसकी शिकायत अपनी कक्षा-अध्यापिका से भी की परन्तु इसका कुछ परिणाम सामने नहीं आया है। यदि इस विषय में सफाई-कर्मचारियों से कुछ कहा जाए तो वह हमें भला-बुरा कहकर भगा देते हैं।

आपसे निवेदन है कि आप इस ओर विशेष ध्यान दें और सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से आरंभ करवाएं। हम सदैव आपके अभारी रहेंगे।

आपका आज्ञाकारी शिष्या/शिष्य,

अनवर

कक्षा: दसवीं 'बी'

हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ मँगवाने हेतु और घर पर पुस्तकें ले जाने की आज्ञा हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,

परीक्षा केन्द्र।

दिनांक : ....

सेवा में,

प्रधानाचार्य जी,

राजकीय उच्चतम माध्यमिक विद्यालय,

कठवारिया सराय,

नई दिल्ली।

विषय: हिंदी की नई पत्र-पत्रिकाएँमँगाने व पुस्तकें घर ले जाने की अनुमति हेतु पत्र।

महोदय/महोदया,

मैं दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। मेरा नाम कमलेश है। हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में हिंदी पत्र-पत्रिकाओं का सर्वथा अभाव रहता है। जिसके कारणवश हमें अध्ययन के लिए पर्याप्त पत्र-पत्रिकाएँ नहीं मिल पातीं। यदि हमें हिन्दी के किसी कवि या लेखक के विषय पर पुस्तकें चाहिए होती हैं तो पुस्तकालय की ओर से सदैव निराशा ही हाथ लगती है।

हमारी कक्षा में मेरे जैसे बहुत से ऐसे विद्यार्थी हैं, जो अध्ययन हेतु पत्र-पत्रिकाएँ नहीं खरीद पाते। हमें इन पुस्तकों के अभाव के कारण खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं पुस्तकों के सहारे हम अपनी परीक्षा संबंधी तैयारियाँ करते हैं। हमने कई बार इस विषय में लाइब्रेरियन को बताना चाहा परन्तु उन्होंने इसमें अपनी असमर्थता ही दिखाई। कुछ पुस्तकें विद्यालय के पुस्तकालय में पढ़ने के लिए मिलती हैं, उन पुस्तकों को घर ले जाने की अनुमति नहीं दी जाती है। हमें यही कहा जाता है कि पुस्तकों का अध्ययन पुस्तकालय में ही रहकर करो। विद्यालय में हमारे पास पुस्तकालय के लिए सिर्फ एक घंटे का समय होता है। इतने कम समय में पुस्तकों का अध्ययन करना हमारे लिए संभव नहीं हो पाता।

इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि हमारे लिए हिंदी की नई पत्र-पत्रिकाएँ मँगवाई जाएँ व अध्ययन हेतु पुस्तकें घर पर ले जाने की अनुमति प्रदान की जाए। इसके लिए हम आपके सदा आभारी रहेंगे।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,

कमलेश

कक्षा: ....